सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 189 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 19 अगस्त, 2022

मूल्य ₹ 3/-

बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।
-बी.आर. अम्बेडकर

ठेके पर नौकरी के मॉडल के विरुद्ध... 2 | लोक सभा चुनाव की तैयारी में जुटी... 3 | यूपी में होगा बिहार जैसा बदलाव... 7

आबकारी केसः एक्शन में सीबीआई

दिल्ली के डिप्टी सीएम सिसोदिया के आवास समेत कई ठिकानों पर छापेमारी, सियासत गर्म

» सिसोदिया और तीन अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया गया है मामला

» आबकारी नीति में कथित अनियमितता के मामले में की गई कार्रवाई

» भाजपा और कांग्रेस ने केजरीवाल सरकार को घेरा, अखिलेश ने केंद्र पर साधा निशाना

» सिसोदिया बोले, अच्छे काम करने वालों को किया जा रहा है परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं को लेकर सीबीआई की टीमों ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के आवास समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की। टीम ने सात राज्यों में यह कार्रवाई की। वहीं सीबीआई की छापेमारी से सियासत गर्म हो गयी है। आम आदमी पार्टी ने जहां भाजपा पर हमला बोला है वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे सियासी हथकंडा करार दिया है। दूसरी ओर भाजपा और कांग्रेस ने केजरीवाल सरकार को घेरा है।

दिल्ली की आबकारी नीति मामले में डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के आवास समेत 21 जगहों पर सीबीआई की छापेमारी चल रही है। जांच एजेंसी आज सुबह साढ़े आठ बजे ही सिसोदिया के घर पहुंच गई थी। अफसरों ने उनके और परिवार के बाकी सदस्यों के फोन और लैपटॉप जब्त कर लिए हैं। एक्साइज के डिप्टी कमिश्नर रहे आनंद तिवारी, तत्कालीन आबकारी आयुक्त अरवा गोपी कृष्ण, कुलजीत सिंह और सुभाष रंजन के घर पर भी सीबीआई टीम ने छापा मारा। वहीं छापेमारी शुरू होते ही सिसोदिया ने लिखा, सीबीआई आई है। उनका स्वागत है। हम कट्टर ईमानदार हैं। लाखों बच्चों का भविष्य बना रहे हैं। बहुत ही दुर्भाग्य कि हमारे देश में जो अच्छा काम करता है, उसे इसी तरह परेशान किया जाता है।

दिल्ली के विकास को रोकने के लिए की गयी कार्रवाई: केजरीवाल

सिसोदिया के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये लोग दिल्ली के विकास कार्य को रोकना चाहते हैं इसलिए छापेमारी की जा रही है। हम दिल्ली के अच्छे कामों को रुकने नहीं देंगे। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि जिस दिन अमेरिका के सबसे बड़े अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स के मुख्य पृष्ठ पर दिल्ली शिक्षा मॉडल की तारीफ और मनीष सिसोदिया की तस्वीर छपी, उसी दिन उनके घर पर केंद्र ने सीबीआई को भेजा।

अनुराग ठाकुर ने साधा सिसोदिया पर निशाना

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मनीष सिसोदिया पर निशाना साधते हुए कहा, भ्रष्टाचारी जितना मर्जी ईमानदारी का चोला पहन ले वह भ्रष्टाचारी ही रहता है। जिस दिन सीबीआई को जांच दी गई उसी दिन शराब नीति वापस ले ली अगर कोई घोटाला नहीं था तो वापस क्यों लिया? यहां शिक्षा नहीं शराब की बात हो रही है। जनता को मूर्ख न समझे। एक्साईज मंत्री एक्सक्यूज मंत्री तो बन गए हैं लेकिन मैं आशा करता हूं कि कहीं उनकी भी याददाश्त न चली जाए।

क्या है मामला

मई 2020 में केजरीवाल सरकार विधान सभा में नई आबकारी नीति लेकर आई, जिसे नवंबर 2021 से लागू कर दिया गया। कुछ दिनों पहले दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शराब नीति से जुड़े मामले में मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। ये सिफारिश जुलाई में दाखिल की गई दिल्ली के मुख्य सचिव की रिपोर्ट के आधार पर की गई थी। मुख्य सचिव नरेश कुमार की रिपोर्ट में कहा गया कि शराब नीति को लागू करने से पहले प्रस्तावित नीति को कैबिनेट के समक्ष रखना होता है। इसके बाद कैबिनेट से पास इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए उपराज्यपाल को भेजना होता है, लेकिन इस प्रोसेस को नहीं अपनाया गया है। अन्य नियम भी तोड़े गए। इस पर सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की है।

छापों को राजनीतिक हथकंडा बनाना निंदनीय: अखिलेश

दिल्ली के डिप्टी सीएम के आवास पर सीबीआई की छापेमारी को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट किया कि छापों को राजनीतिक हथकंडा बनाना निंदनीय है।

अब भाजपा को आप की और जरूरत नहीं: संदीप दीक्षित

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि यह कार्रवाई पहले होनी चाहिए थी। केजरीवाल सरकार पैसा कमाने में जुटी है। कांग्रेस को आप और भाजपा के बीच समझौते पर संदेह था। अब भाजपा को लगा कि आप की जरूरत नहीं है इसलिए आप के सारे पाप सामने आ जाएंगे।

बिना भेदभाव दिया जा रहा सरकारी योजनाओं का लाभ: सीएम

» बलिया में शहीदों को दी श्रद्धांजलि, सुविधाएं बढ़ाने का दिया भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बलिया बलिदान दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। जिला जेल में अमर शहीद राजकुमार बाघ की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में आयोजित जनसभा को सीएम ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के नागरिकों को पांच संकल्प दिलाएं हैं। इसके अनुसार हर व्यक्ति अपने कर्तव्यपथ पर आगे बढ़ेगा तो भारत निश्चित ही दुनिया की महाशक्ति बनेगा।

उन्होंने कहा कि आज बिना भेदभाव के सबको योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हर गरीब को आवास, शौचालय, राशन सहित लाभकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आने वाले समय में भारत दुनिया का नेतृत्वकर्ता होगा। उन्होंने कहा कि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह बलिया के हैं इसलिए बलिया परिवहन के क्षेत्र में और अच्छा होना चाहिए। बलिया से लखनऊ की दूरी को लगातार कम करते रहे हैं। इसके लिए लिंक एक्सप्रेस-वे से बलिया को जोड़ेंगे, ताकि दो से ढाई घंटे में लखनऊ की दूरी तय हो जाए। उन्होंने कहा कि अच्छा बस स्टेशन यहां का हो। इलेक्ट्रिक बसें चलवाएं। बलिया नगर का दायरा बढ़ाएं। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश का स्वतंत्रता संग्राम बलिया नामक पुस्तक का विमोचन किया। इसके अलावा उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व उनके आश्रितों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया।

वृंदावन पहुंचे योगी

जन्माष्टमी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज वृंदावन पहुंचे और अन्नपूर्णा भोजनालय का लोकार्पण किया। उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा तैयार कराए गए इस वातानुकूलित भोजनालय में दिनभर में करीब पांच हजार यात्रियों को भोजन मिलेगा। सीएम जन्मोत्सव समारोह में भी भाग ले सकते हैं।

ठेके पर नौकरी के मॉडल के विरुद्ध आवाज उठाएं युवा : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस महासचिव ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मोदी सरकार की अग्निवीर योजना का पुरजोर तरीके से विरोध करने वाली कांग्रेस ने खर्च घटाने के लिए बैंकों में संविदा पर कर्मचारियों को रखे जाने की संभावनाओं पर आधारित खबरें मीडिया में आने के बाद रोजगार के मुद्दे पर फिर भाजपा सरकार को घेरा है। कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने तंज किया कि चार साल की नौकरी फिर बेरोजगारी वाली अंधेरी रात। कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि भाजपा चार साल की नौकरी का माडल सभी नौकरियों में लागू करेगी। चार साल के लिए युवा ठेके पर रखे जाएंगे। चार साल बाद वे बेरोजगार हो जाएंगे।

उन्हें न पक्की नौकरी मिलेगी और न ही पेंशन। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया है कि वे इस माडल के खिलाफ आवाज उठाएं अन्यथा पक्की नौकरियां बचेंगी नहीं। गौरतलब है कि खर्च घटाने तथा अपनी ग्रामीण व अर्धशहरी शाखाओं में सहायता सेवाएं उपलब्ध कराने और कर्मचारियों के प्रबंधन के लिए भारतीय स्टेट बैंक की ओर से स्टेट बैंक आपरेशंस सपोर्ट सर्विसेज नामक सब्सिडियरी कंपनी स्थापित किए जाने की खबरें मीडिया में आने के बाद प्रियंका उस पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने अपने ट्वीट के साथ ऐसी ही एक खबर को टैग भी किया। बता दें कि कुछ दिन पहले कांग्रेस ने हाल ही में महंगाई और जीएसटी को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन बुलाया था। इस दौरान राहुल गांधी और प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेसी सांसदों ने संसद से मार्च निकाला था। पुलिस ने विजय चौक पर सभी सांसदों को हिरासत में ले लिया था। इस दौरान प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस दफ्तर से मार्च निकाला गया था। प्रियंका गांधी सड़क पर ही धरने पर बैठ गई थीं। इसके बाद उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया था।

टेनी की बर्खास्तगी तक चलेगा धरना : राकेश टिकैत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी में केंद्र सरकार के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा का 75 घंटे का धरना चल रहा है। गुरुवार शाम से शुरू हुए धरने का आज दूसरा दिन है। पंजाब समेत अन्य राज्यों से करीब 50 हजार किसान धरना स्थल पहुंचे हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने खुले मंच से प्रशासन को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यहां का प्रशासन अपना दिमाग ठीक कर ले।

पानी की व्यवस्था कर दे। अगर सुविधा नहीं दोंगे तो हम सुविधा लेना जानते हैं। यह धरना केंद्रीय गृह राज्यमंत्री टेनी की बरखास्तगी तक चलेगा। फिलहाल धरना स्थल पर बड़ी संख्या में फोर्स तैनात है। किसान नेता योगेंद्र यादव ने कहा कि तिकुनिया हिंसा जलियांवाला बाग कांड से कम नहीं थी। उसके मुख्य सूत्रधार टेनी को बर्खास्त किया जाए। उन पर बहुत सारे मुकदमे हैं, लेकिन भाजपा उनकी जांच नहीं करवा रही है। वहीं राकेश टिकैत का कहना है कि केंद्र सरकार किसानों को लेकर जागरूक नहीं है। किसानों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। लखीमपुर कांड मामले में अब तक किसानों को न्याय नहीं मिला है। प्रशासन ने ढीला रवैया अपना रखा है। इस कारण किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नड्डा से मिले पाठक, सरकार के कामकाज पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से दिल्ली में मुलाकात की। दोनों के बीच उत्तर प्रदेश सरकार के कामकाज और प्रदेश की राजनीति पर चर्चा हुई। मुलाकात की जानकारी उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने ट्वीट कर दी। उन्होंने ट्वीट किया कि आज नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व कुशल संगठनकर्ता, करोड़ों कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शक, हमारे प्रेरणास्रोत राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय जेपी नड्डा से भेंटकर अमूल्य मार्गदर्शन व आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके पहले, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की थी। बता दें कि यूपी में भाजपा जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा कर सकती है। इन मुलाकातों को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। भाजपा ने 2024 के चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी ने यूपी में सभी 80 सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य रखा है। उम्मीद की जा रही है कि प्रदेश अध्यक्ष का नाम चौंकाने वाला हो सकता है।

'युवाओं को आईटी कंपनियों में दिलवाएंगे रोजगार'

» जरुरतमंद बच्चों के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर विश्वास खंड स्थित गायत्री पार्क में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित समारोह में रॉबिन हुड आर्मी और कार्डिनल कार्नेशन ने मलिन बस्तियों में रहने वाले जरुरतमंद बच्चों के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया। शालीन सिंघल व सयैद अगदस ने कहा कि रॉबिन हुड आर्मी वंचित बच्चों के लिए हमेशा तत्पर रहती है और ऐसे बच्चों को जागरूक करते हुए उनमें देशभक्ति का संचार किया गया।

कार्डिनल कार्नेशन के संस्थापक अभय श्रीवास्तव तथा प्रेरणा श्रीवास्तव अमेरिका से अमृत महोत्सव में भाग लेने के लिए पहुंचे। इस मौके पर अभय ने कहा कि जरुरतमंद बच्चों के बीच स्वतंत्रता दिवस मनाने का उद्देश्य सामाजिक प्रेरणा देने का है। प्रेरणा ने कहा कि लगभग 20 वर्षों से हम लोग न्यू जर्सी में आईटी कंपनियों के साथ काम कर रहे थे और अब यहां के युवाओं को घर बैठे आईटी कंपनियों में रोजगार उपलब्ध करवाएंगे। कार्यक्रम में विश्वदीप भटनागर, अदिति राणा, सबा कादरी, वैभव प्रकाश, नाजिश रहमान, राहुल पाण्डेय के साथ स्थानीय लोग मौजूद थे।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023 में भागीदारी करेगा कनाडा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जनवरी-2023 में होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर समिट में कनाडा भी भागीदारी निभाएगा। कनाडा के उच्चायुक्त कैमरॉन मैके ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर शिक्षा, लॉजिस्टिक और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश की इच्छा जताई है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान भारत और कनाडा के बीच मजबूत सांस्कृतिक, वाणिज्यिक और रणनीतिक संबंधों के साथ कनाडा और उत्तर प्रदेश के बीच संबंध बेहतर बनाने पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के आयोजन की तैयारी की जा रही है। कनाडा के उद्यमियों के लिए यह एक अच्छा अवसर हो सकता है। दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिहाज से यह महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कृषि, एग्रो टेक्नोलॉजी, एग्रो लॉजिस्टिक, एग्रो पैकेजिंग के क्षेत्र में नीतिगत प्रयास किया जा रहा है। इस क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं है जिसमें कनाडा अच्छा सहयोगी बन सकता है। उच्चायुक्त मैके ने ग्लोबल इंवेस्टर समिट को कनाडा के निवेशकों के लिए शानदार अवसर बताते हुए कहा कि कनाडा के निवेशक प्रदेश में शिक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में निवेश के लिए उत्सुक है। उन्होंने भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की इच्छा जताते हुए कहा कि कनाडा और भारत के बीच तकनीक और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ाया जाना चाहिए। कनाडा, भारत के साथ बेहतर ट्रेड संबंधों को और मजबूती देने के लिए प्रयासरत है।

लोक सभा चुनाव की तैयारी में जुटी बसपा दलित-मुस्लिम गठजोड़ पर फोकस

» संगठन को मजबूत करने पर जोर, पुराने कार्यकर्ताओं को जोड़ने में जुटी पार्टी

» दलितों में फिर से अपनी पकड़ बनाने की कवायद सपा के वोटरों पर भी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा एक बार फिर प्रदेश में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुट गयी है। एक ओर वह दलित-मुस्लिम गठजोड़ पर फोकस कर रही है तो दूसरी ओर अपने पुराने कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ने की कोशिश में जुट गयी है। बसपा प्रमुख मायावती ने इसके लिए रणनीति तैयार कर दी है और कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जमीन पर उतर कर काम करने का निर्देश जारी किया है। बसपा का मानना है कि यदि दलित-मुस्लिम गठजोड़ हो गया तो बसपा को इसका फायदा लोक सभा चुनाव में मिलेगा।

लोक सभा और विधान सभा चुनाव में बसपा की हालत खराब रही है। विधान सभा चुनाव में उसका सबसे खराब प्रदर्शन इस वर्ष रहा है। 2022 के विधान सभा चुनाव में बसपा के खाते में महज एक सीट मिली है। यही नहीं उसका वोट प्रतिशत भी काफी घट गया है। इससे बसपा प्रमुख मायावती की चिंता बढ़ गयी है और उन्होंने बसपा का जनाधार मजबूत करने के लिए एक बार फिर अपनी रणनीति बदल दी है। उनका फोकस दलित और मुस्लिम गठजोड़ पर टिक गया है। दलित वोटर बसपा के पाले से खिसक कर भाजपा की ओर चला गया है तो मुस्लिम वोटरों ने सपा को अपना समर्थन दे दिया है। यही वजह है कि विधान सभा चुनाव में बसपा को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। लिहाजा बसपा आगामी लोक सभा चुनाव में पूरी तैयारी से उतरने का मूड बना रही है। आजमगढ़ के लोक सभा उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को मिले समर्थन से बसपा एक बार उत्साहित है। दरअसल, इस उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार निरहुआ को 3 लाख 12 हजार वोट मिले तो सपा के धर्मेंद्र यादव को 3 लाख 4 हजार मत मिले। बसपा उम्मीदवार शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को मिले 2 लाख 66 हजार वोटों ने आजमगढ़ में सभी समीकरण को ध्वस्त कर दिया लेकिन हार का गम बसपा खेमे में नहीं दिखा। इस परिणाम को बसपा प्रमुख मायावती अपने पक्ष में मान रही हैं। माना जा रहा है कि आजमगढ़ में गुड्डू जमाली को दलितों के साथ ही बड़ी संख्या में मुस्लिम वोट भी मिले हैं। मुस्लिम वोट बसपा के पक्ष में जाने से जहां मामूली वोटों से सपा को हार का मुंह देखना पड़ा वहीं बसपा को इसमें 2024 के चुनावों में फिर से उठ खड़ा होने का रास्ता भी दिख गया। परिणाम आने के बाद मायावती ने ट्वीट कर अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरा और मिशन-2024 के लिए तैयारी करने को कह दिया था। मायावती ने कहा था कि बसपा के सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और पार्टी प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव जिस संघर्ष और दिलेरी के साथ लड़ा है, उसे आगे 2024 लोक सभा चुनाव तक जारी रखना जरूरी है। वहीं मायावती दलितों और मुस्लिमों के मुद्दे पर लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर हैं।

महज 13 फीसदी मिले वोट

पिछले विधान सभा चुनाव में बसपा को सिर्फ 13 फीसदी वोट मिले और एक सीट मिली थी। यही वजह है कि अब मायावती का जोर पुरानी कार्यशैली पर मिशनरी लोगों को जोड़ने और संगठन मजबूत करने पर है। साथ ही दलित-मुस्लिम गठजोड़ बनाने की कवायद भी तेज कर दी गई है।

गिरता गया जनाधार

2007 के विधान सभा चुनावों में बसपा ने अपना सबसे बेस्ट परफॉर्मेंस दिया था। बसपा ने अपने दम पर 206 सीटें जीती थीं और दशकों बाद यूपी में किसी दल ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। बसपा की जीत में उसके कोर वोट बैंक यानी दलित, अपरकॉस्ट में ब्राह्मणों की महत्वपूर्ण भूमिका थी लेकिन इस जीत को आखिरी अंजाम तक पहुंचाने में मुस्लिम वोटरों का भी अहम योगदान था। मुस्लिम, ब्राह्मण और दलित वोटरों के कॉम्बिनेशन ने बसपा को अजेय बना दिया था। मायावती ने भी दलित और मुस्लिम वोट के इस गठजोड़ को मजबूत करने की हर कोशिश की। हालांकि, मायावती की ये कोशिश बहुत परवान न चढ़ सकी। 2009 के लोक सभा चुनावों में यूपी के मुस्लिम मतदाताओं ने कांग्रेस को वोट दिया तो 2012 के विधान सभा चुनावों में सपा के पक्ष में मुस्लिमों ने लामबंदी दिखाई। कुल मिलाकर यूपी का मुस्लिम हर चुनाव में मजबूत सेक्युलर दल की तरफ मुड़ जाता है। 2017 के विधान सभा चुनावों में बसपा ने यूपी में 100 से ज्यादा मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया मतलब बसपा का हर चौथा उम्मीदवार एक मुस्लिम था। बसपा के इस दांव से मायावती को तो खास फायदा नहीं हुआ, लेकिन इससे समाजवादी पार्टी को जरूर नुकसान पहुंचा। विधान सभा में बसपा को सिर्फ 19 सीटें मिलीं। साल 2019 के लोक सभा से ठीक पहले बसपा और सपा ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा। इन चुनावों में सपा को जहां 5 सीटें मिली वहीं बसपा को उससे दोगुनी 10 सीटें मिली थीं। 2022 का विधान सभा चुनाव में बसपा ने अपना सबसे खराब प्रदर्शन करने का रिकॉर्ड बना दिया। 403 सीटों में से बसपा को सिर्फ एक सीट मिली।

यूपी भाजपा को बड़ी मजबूती दे गए बंसल

लंबे समय तक यूपी में महामंत्री संगठन रहे हैं सुनील बंसल

» प्रदेश में सफलता के शून्य से शिखर तक के शिल्पी रहे बंसल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में भाजपा को शून्य से शिखर तक ले जाने का श्रेय भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल को जाता है। बंसल ने भी यूपी भाजपा को बड़ी मजबूती दी है और संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर खड़ा किया है। केशव मौर्य कहते हैं कि अध्यक्ष तो मैं भी रहा हूं...। मेरे समय हुए चुनाव में जीत का मुकुट भले सिर बंधा हो मगर उस जीत का कोई सही अधिकारी है तो वह सुनील बंसल ही हैं। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य बताते हैं कि यूपी में अध्यक्ष कोई भी रहा हो, असल काम तो बंसल ने किया। प्रदेश में सफलता के शून्य से शिखर तक के शिल्पी सुनील बंसल हैं।

करीब 8 साल बाद यूपी से सुनील बंसल की विदाई हो चुकी है। सुनील बंसल लंबे समय तक यूपी में महामंत्री संगठन रहे हैं। चर्चा है कि सुनील बंसल और यूपी भाजपा के कार्यवाहक अध्यक्ष और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बीच तल्ख हुए रिश्ते अभी सामान्य नहीं हुए हैं। दो दिन पहले हुई एक मुलाकात के अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। वहीं यूपी की सियासी गलियारों में एक सवाल और चर्चा में है। हर कोई एक-दूसरे से पूछ रहा है कि यूपी भाजपा का अध्यक्ष कौन और कब तक बनेगा? यह सवाल चर्चा में इसलिए भी है, क्योंकि स्वतंत्र देव सिंह 27 जुलाई को अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे चुके हैं। दरअसल, स्वतंत्र देव के मंत्री बनने के बाद से ही नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए कई नामों पर चर्चा शुरू हो गई थी। मगर, अभी तक किसी एक नाम पर मुहर नहीं लग सकी है।

जातीय समीकरण को साधने की कवायद

यूपी में भाजपा का नया बॉस कौन हो सकता है? इस मामले में वरिष्ठ पत्रकार बृजेश शुक्ल कहते हैं कि यह सवाल बड़ा है। पार्टी और संगठन में बदलाव हो रहा है। अध्यक्ष का इस्तीफा भी पार्टी परंपरा के विपरीत हो चुका है। माना जा सकता है कि जातीय समीकरणों को लेकर पार्टी चिंतित है। बृजेश शुक्ला ने कहा, विधान सभा चुनाव में भाजपा की सीटें कम आईं। तीन जिलों में पार्टी का खाता तक नहीं खुला था। अति पिछड़ों ने भाजपा को वोट तो दिया लेकिन उस संख्या में नहीं, जिसकी उम्मीद थी। बृजेश कहते हैं यूपी में विधान सभा चुनाव में हारी सीटों की रिपोर्ट दिल्ली भेजी गई थी। उसमें ओबीसी और खासतौर पर अति पिछड़ों की उदासीनता सामने आई। डिप्टी सीएम केशव मौर्य कौशांबी में पासी वोट न मिलने से हार गए। ऐसे में पार्टी किसी अति पिछड़ा या ब्राह्मण पर दांव लगाने की सोच रही है, लेकिन चेहरा शायद तय नहीं कर पा रही। इसीलिए देरी हो रही है।

यूपी में सिर्फ अध्यक्ष नहीं, पावरफुल नेता चाहिए

भाजपा संगठन में दरकिनार किए गए पदाधिकारी नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि पार्टी में वन मैन वन पोस्ट वाली परंपरा है। स्वतंत्र देव सिंह के इस्तीफे को इस नजरिए से भी देख सकते हैं। इस समय तक भाजपा सारे एक्सपेरिमेंट कर चुकी है। मगर यूपी में अध्यक्ष की नियुक्ति न होने के पीछे बड़ी वजह एक पावरफुल नेता की तलाश है। पार्टी यूपी में ब्राह्मण और ओबीसी दोनों जाति के नेताओं को जिम्मेदारी सौंप कर नतीजा देख चुकी है। केशव प्रसाद मौर्य के बाद शायद ही कोई बहुत कामयाब हुआ हो। 2022 का विधान सभा चुनाव पार्टी योगी के नाम पर जीती है। बतौर अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की कोई बड़ी भूमिका देखने को नहीं मिली है। पार्टी को यूपी में एक बड़े नेता की तलाश है। पिछले 25-30 साल में पार्टी बिहार में कोई नेता तैयार नहीं कर पाई है। उसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ रहा है। पार्टी को बतौर अध्यक्ष एक ऐसे नेता की तलाश है, जिसकी जातीय संतुलन के साथ ही स्वीकार्यता पूरे प्रदेश में हो।

75 प्लस का नारा साकार करना है धर्मपाल को

उत्तर प्रदेश में अब सुनील बंसल की जगह पर बिजनौर के रहने वाले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में 27 सालों तक काम करने वाले झारखंड के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी दी गई। धर्मपाल ने लंबे समय तक छात्र राजनीति के साथ ही पार्टी को आगे बढ़ाया। बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व लगातार धर्मपाल की सेवाएं लेता रहा और उनके मार्गदर्शन में देश के कई इलाकों में चुनाव हुआ। यही वजह है कि धर्मपाल को उत्तर प्रदेश जैसे बड़े सूबे की जिम्मेदारी सौंपी गई है क्योंकि 2024 में बीजेपी का 75 प्लस का नारा साकार करना है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अपराधों का बढ़ता ग्राफ और पुलिस तंत्र

हाल में यूपी के हापुड़ में जिला अदालत के बाहर पेशी पर आए कैदी को बदमाशों ने पुलिस के सामने ही गोलियों से भून दिया। यह घटना प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाने के लिए काफी है। हालत यह है कि तमाम दावों के बावजूद प्रदेश में अपराधों का ग्राफ कम नहीं हो रहा है। आए दिन हत्या, बलात्कार, लूट जैसे संगीन अपराध हो रहे हैं। वहीं पुलिस इन अपराधों पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हो रही है। सवाल यह है कि ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद बदमाशों के हौसले पस्त क्यों नहीं हो रहे हैं? महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी क्यों नहीं आ रही है? संगठित अपराधों की सूचना समय से पूर्व पुलिस को क्यों नहीं मिल पाती है? क्या लचर खुफिया और पुलिस तंत्र के कारण हालात सुधर नहीं रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? अपराधियों के मन से खाकी का डर समाप्त क्यों हो गया है? दिनदहाड़े वारदातों को अंजाम देकर अपराधी आराम से फरार कैसे हो जा रहे हैं? प्रदेश में साइबर अपराधों की बाढ़ क्यों आ गयी है?

अपराध के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के बावजूद हालात सुधर नहीं रहे हैं। अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। महिला सुरक्षा का हाल यह है कि वे देर शाम अकेले घर से बाहर निकलने में घबराती है। वहीं साइबर अपराधी लोगों की गाढ़ी कमाई लूट ले रहे हैं। प्रदेश में अपराधियों के बढ़ते हौसलों के लिए पुलिस की लापरवाही सबसे अधिक जिम्मेदार है। कई बार पुलिस कर्मी पीड़ितों पर अपराधियों से समझौता करने का दबाव बनाते हैं। ऐसे कई केस भी सामने आए हैं जब पुलिसकर्मी अपराधियों के साथ मिलकर वारदातों को अंजाम दिया। थानों में अपराध कम दिखाने के लिए पीड़ितों की एफआईआर तक लिखने में आनाकानी की जाती है। स्थानीय खुफिया तंत्र के लचर होने के कारण संगठित अपराधों की पूर्व सूचना तक पुलिस को नहीं मिल पाती है। इसके अलावा प्रदेश में साइबर अपराधियों ने भी लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। वे झांसा देकर लोगों के बैंक खातों से रुपये उड़ा रहे हैं। लोगों को ब्लैकमेल कर रहे हैं। इसके कारण प्रदेश में कानून व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो पा रही है। यदि सरकार प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे विभागीय भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना होगा। इसके अलावा उन पुलिसकर्मियों को चिन्हित कर बाहर का रास्ता दिखाना होगा जिनका गठजोड़ अपराधियों के साथ है। पुलिस को बेहतर संसाधनों से लैस करने के अलावा उसे साइबर और शातिर अपराधियों से निपटने के लिए लगातार प्रशिक्षित करना होगा। साथ ही पुलिस को मित्र पुलिसिंग में भी बदलना होगा।

“ हाल में यूपी के हापुड़ में जिला अदालत के बाहर पेशी पर आए कैदी को बदमाशों ने पुलिस के सामने ही गोलियों से भून दिया। यह घटना प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाने के लिए काफी है। हालत यह है कि तमाम दावों के बावजूद प्रदेश में अपराधों का ग्राफ कम नहीं हो रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रतीक नहीं हकीकत बने समता का समाज

विश्वनाथ सचदेव

पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले नौ साल के इंद्र का जन्म कथित वंचित समाज वाली जाति वाले एक परिवार में हुआ था और इस 'अपराध' की सजा उसे इसी वर्ष बीस जुलाई को मिली। कमतर जाति में जन्मने के कारण उसे यह अधिकार नहीं था कि वह स्कूल के कथित सामंती सोच के अध्यापक के लिए निर्धारित मटके का पानी पी सके। जाने-अनजाने में उसने यह अधिकार पाने की कोशिश की और, कहते हैं, सजा देने वाले अध्यापक ने उसे इतनी बुरी तरह से पीटा कि डॉक्टरों की सारी कोशिशों के बावजूद 13 अगस्त यानी स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वाले दिन से मात्र 2 दिन पहले इंद्र की मृत्यु हो गयी। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी तक उसे इस बात का पुख्ता सबूत नहीं मिला है कि उसकी पिटाई इसी कारण से हुई थी, पर गांव के लोगों और इंद्र के साथ पढ़ने वाले बच्चों में से कुछ का कहना है कि पुलिस झूठ बोल रही है, इन पर दबाव डाला जा रहा है कि वे इंद्र के साथ हुई मारपीट की गवाही न दें।

इस मामले की सच्चाई कुछ भी हो पर हकीकत यह है कि देश में दलितों के साथ इस प्रकार के अत्याचार आजादी पाने के 75 साल बाद भी हो रहे हैं। संसद में सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 2018- 2020 के दौरान देश में दलितों पर अत्याचार के 1,29,000 मामले दर्ज हुए थे, जिनमें सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश में हुए। इसके बाद बिहार और मध्य प्रदेश का नंबर आता है। देश के बाकी राज्यों में यह संख्या अपेक्षाकृत कम है। हमारे नेता, हमारी सरकारें इस संदर्भ में आश्वासन अवश्य देते रहे हैं पर यह कोरे आश्वासनों वाली परंपरा का ही हिस्सा हैं। इसको भी याद रखा जाना जरूरी है कि ऐसे दर्ज मामलों के मात्र बीस प्रतिशत ही किसी निर्णय तक पहुंच पाते हैं। आधे से अधिक मामले सामाजिक दबावों के चलते बीच में ही दम तोड़ देते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि राजस्थान के जालोर जिले के गांव में रहने वाले इंद्र की 'हत्या' का यह मामला तार्किक परिणति तक पहुंचेगा। पर, उम्मीद तो यह भी थी कि स्वतंत्रता दिवस से मात्र दो दिन पहले हुई नौ वर्षीय बच्चे इंद्र की मौत की घटना सत्ताशीर्ष तक भी पहुंचेगी और वे लालकिले से दिये गये राष्ट्र के नाम संबोधन में इसकी चर्चा होगी। पर ऐसा हुआ नहीं। यूं तो यह भी अपने आप में इस तरह की एक और घटना मात्र है, पर आजादी के अमृत-काल की

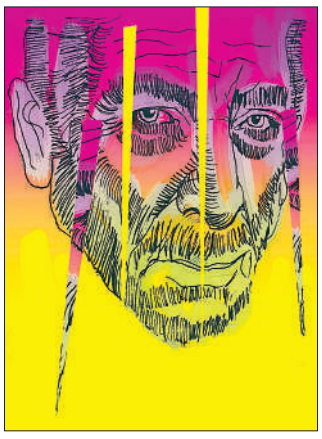

शुरुआत में घटी यह घटना देश और समाज के सामने मुंह बाये खड़े मुद्दों का एक दर्दनाक उदाहरण है और इस बात की याद भी दिलाती है कि विकास की परिभाषा में कहीं न कहीं सामाजिक विषमता का यह मुद्दा भी शामिल होना चाहिए। दुर्भाग्य से, जब भी विकास की बात होती है, रोटी, कपड़ा और मकान तक सीमित रह जाती है या फिर हमारे नेता सड़कों की बात करते हैं, हर घर में शौचालय और नल-जल की दुहाई देने लगते हैं। हां, यह सभी ज़रूरी है हमारे विकास के लिए पर यही विकास नहीं है। कहीं न कहीं सामाजिक सोच भी हमारे विकास की समझ का हिस्सा बनना चाहिए। सामाजिक विषमता का अभिशाप हमारे जीवन से बाहर जाये, यह मानवीय विकास की एक महत्वपूर्ण शर्त है। विकास का जो राजमार्ग हमने अपने लिए चुना है, वहां तक पहुंचने के लिए जिन गलियों से होकर गुजरना होता है, उनकी नितांत उपेक्षा हो रही है। हम यह भी याद नहीं रखना चाहते हैं कि समता और बंधुता के आधार पर खड़ा संविधान देने वाले बाबा साहेब अंबेडकर ने चेतावनी दी थी कि यदि हमने सामाजिक स्वतंत्रता की ओर ध्यान नहीं दिया तो हमारी राजनीतिक स्वतंत्रता भी खतरे में पड़ जायेगी।

यह सही है कि समय-समय पर सामाजिक विषमता को कम करने का आह्वान हमारे मार्ग-दर्शकों, मनीषियों ने किया है, पर हमने उनकी बातों को कितना सुना और समझा है? सामाजिक दृष्टि से पिछड़ों को विकास की दौड़ में अपने साथ खड़ा करने के लिए उनका हाथ पकड़ना जरूरी है। पर इससे कहीं जरूरी है इस अहसास को अपने भीतर जगाना कि वे जिन्हें हम अथवा समाज का अग्रणी समझा जाने वाला तबका पिछड़ा या अस्पृश्य अथवा अपने से नीचा मानता है, हमारी तरह मनुष्य हैं। उन्हें किसी भी दृष्टि से अपने से कमतर समझने का मतलब अपने आप को धोखा देना है, मनुष्यता के प्रति अपराध करना है। नीची मानी जाने वाली जाति का होने के कारण जालोर के सुरना गांव के इंद्र को एक ऐसे अपराध की सज़ा भुगतनी पड़ी जो उसने कभी किया ही नहीं था। अपराधी इंद्र नहीं, वे सब हैं जो सामाजिक विषमता में विश्वास करते हैं। इस सच्चाई को हमारा नेतृत्व कब समझेगा? स्वतंत्रता-दिवस के उद्बोधन में 'इंद्र' का नाम न लिया जाना सिर्फ एक चूक नहीं है। सच यह है कि हमारी सामाजिक चेतना को जंग लगती जा रही है। यह सच है कि आज एक दलित, आदिवासी महिला हमारी राष्ट्रपति हैं। इस पर गर्व कर सकते हैं हम। यह दलितों के विकास का एक प्रतीक हो सकता है, पर यह प्रतीक मात्र है। प्रतीक का वास्तविक बनना जरूरी है। यह तब होगा जब किसी इंद्र का अपने कथित सवर्ण अध्यापक के मटके से पानी पीना अपराध नहीं माना जायेगा।

रफ्तार का शिकार होता भारत

रवि शंकर

देश में सड़कों का जाल बिछाने का काम तेजी से चल रहा है, सड़कों पर होने वाले हादसे के आंकड़ों ने चिंताएं भी बढ़ा दीं हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में सड़क दुर्घटना की वजह से 1,31,714 लोगों की मौत हो गयी। इनमें से 69.3 प्रतिशत यानी 91,239 मौतें तेज रफ्तार, 30.1 प्रतिशत यानी 39,798 मौतें हेलमेट न पहनने और 11.5 प्रतिशत यानी 26,896 मौतें कार चलाते समय सीट बेल्ट न लगाने से हुईं। यह आंकड़ा तब और भयावह हो जाता है, जब यह तथ्य सामने आता है कि मृतकों का 62 प्रतिशत हिस्सा 18-35 वर्ष आयु वर्ग का है। विश्व बैंक की रिपोर्ट की मानें, तो भारत में दुनिया के एक फीसदी वाहन हैं पर वाहन दुर्घटनाओं के चलते विश्व में होने वाली 11 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में सालाना करीब साढ़े चार लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है। देश में हर घंटे 53 सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं और हर चार मिनट में एक मौत होती है। भारत में पिछले 10 सालों में सड़क हादसों में करीब 13 लाख लोगों की मौत हुई है और 50 लाख से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह दुनिया में बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है।

ग्लोबल स्टेट्स रिपोर्ट ऑन रोड सेफ्टी ने सड़क सुरक्षा से संबंधित पांच कारकों की पहचान की है, जिनमें वाहन तेज चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट का प्रयोग नहीं करना, सीट बेल्ट को न बांधना और सुरक्षा उपायों के बिना बच्चों के साथ यात्रा करना आदि शामिल हैं। सड़क सुरक्षा की समस्याओं से लड़ने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बहुपक्षीय रवैया निर्धारित किया है, जिसमें '4ई' पर मुख्य जोर है- एजुकेशन (शिक्षा), एनफोर्समेंट (प्रवर्तन), इंजीनियरिंग और इमरजेंसी। ये नियमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, बेहतर नियमन करने, और ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करने, सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार और सड़क दुर्घटना के पीड़ित को तुरंत मदद सुनिश्चित करने से संबंधित हैं। सड़क दुर्घटनाओं के लिए सरकार और खराब सड़कों को दोष देना तो आसान है, मगर लोग अपनी जिम्मेदारी से साफ बच निकलते हैं। मालूम हो, सड़क हादसे दुनियाभर, विशेष रूप से भारत, में मृत्यु, विकलांगता और अस्पताल में भर्ती होने के प्रमुख कारणों में है। भारत के श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी बेहद कम (महज 27 प्रतिशत) है। इसका अर्थ यह है कि वे पुरुषों की तुलना में कम बाहर निकलती हैं, अपेक्षाकृत कम दूरी की यात्राएं करती हैं और सड़क सुरक्षा से जुड़े खतरों का जोखिम भी कम उठाती हैं लेकिन हादसे का प्रभाव महिलाओं और पुरुषों पर अलग-अलग तरह से पड़ता है। अध्ययन बताते हैं कि समान गंभीरता वाले सड़क हादसों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं के घायल होने और मारे जाने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। चोटिल होने पर उनके उपचार और दुर्घटना संबंधी समुचित देखभाल मिलने की संभावना कम होती है क्योंकि उनके पास स्वास्थ्य बीमा की सुविधा नहीं होती। महिलाओं के पास आर्थिक मजबूती के अन्य साधन भी कम होते हैं।

सड़क हादसों में सिर्फ मौत ही नहीं होती है, बल्कि बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान भी होता है. विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सड़क दुर्घटनाओं के चलते 5.96 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.14 प्रतिशत के बराबर नुकसान होता है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें, तो अगर देश की सड़कें सुरक्षित हो जाएं और एक भी दुर्घटना न हो तो जीडीपी दहाई के अंक को छू लेगी। विश्व बैंक के नेतृत्व में हुए एक हालिया अध्ययन में बताया गया है कि यदि आगामी 24 सालों में सड़क दुर्घटनाओं में मरने और घायल होने वालों की संख्या में 50 फीसदी की कमी आती है तो इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 14 प्रतिशत का इजाफा हो सकता है। हमें समझना होगा कि सड़क हादसे केवल लोगों को मारते या विकलांग नहीं बनाते बल्कि वे देश की अर्थव्यवस्था को विकलांग बनाते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या को 2024 तक आधा करने का लक्ष्य रखा है। जब तक प्रौद्योगिकी के उपयोग, जागरूकता को बढ़ावा देने, कानून के सख्त कार्यान्वयन और आपातकालीन सुरक्षा उपायों जैसे कदमों को मजबूत नहीं किया जाता है तब तक इस संबंध में कोई सकारात्मक परिणाम हासिल नहीं होंगे।

सुरक्षित यात्रा तभी संभव होगी, जब सरकारों, नागरिकों और नागरिक समाज के समन्वित प्रयासों से सड़क सुरक्षा एक सामाजिक जिम्मेदारी में बदल जाए। वास्तव में वाहनों की बढ़ती संख्या और सड़क सुरक्षा आज भारत के लिए एक बड़ी समस्या है। यह सच नहीं है कि दंड हल्के हैं और नियम लागू करने के मामले में ढिलाई है। फिर भी सड़क हादसों की संख्या घटी नहीं है इसलिए केंद्र व राज्य सरकारों को कारगर कदम उठाने होंगे अन्यथा महानगरों व शहरों से लेकर गांवों में हर रोज सड़कों पर लोग मरते रहेंगे। सरकार को इन हादसों से सबक लेना चाहिए और व्यवस्था की खामियों को दूर करना चाहिए। साथ ही, लोगों को अपने रवैये में आमूल-चूल परिवर्तन लाना होगा।

फेफड़ों की सूजन दूर करें ये फूड आइटम्स

बॉडी के साथ नियमित तौर पर अपने फेफड़ों को भी डिटॉक्स करते रहना जरूरी है। खासतौर पर कोरोना महामारी के बाद तो ये और ज्यादा जरूरी हो गया है। दूसरा हवा में घुलते प्रदूषण की वजह से भी सांस से जुड़ी समस्याएं बहुत ज्यादा बढ़ गई है। लेकिन ज्यादातर लोगों का ध्यान तब जाता है जब सांस की परेशानी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। बेहतर होगा कि फेफड़ों को हेल्दी रखने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज के साथ खानपान पर भी ध्यान दें। वायुमार्ग में सूजन होने पर सांस लेना मुश्किल हो जाता है और छाती भारी और बंद हो जाती है। तो इसके लिए इन फूड आइटम्स को खासतौर से अपनी डाइट में शामिल करें।

गर्म पानी

शुष्क फेफड़ों में सूजन और जलन की संभावना ज्यादा होती है। रोजाना गर्म पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहेगा और बलगम को कम करने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा पत्तेदार सब्जियां, बीन्स, दाल, अदरक, सेब, खट्टे फल, प्याज, अलसी को भी अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। हेल्थ सही करने के लिए धूम्रपान का सेवन पूरी तरह से बंद कर दें अगर करते हैं तो।

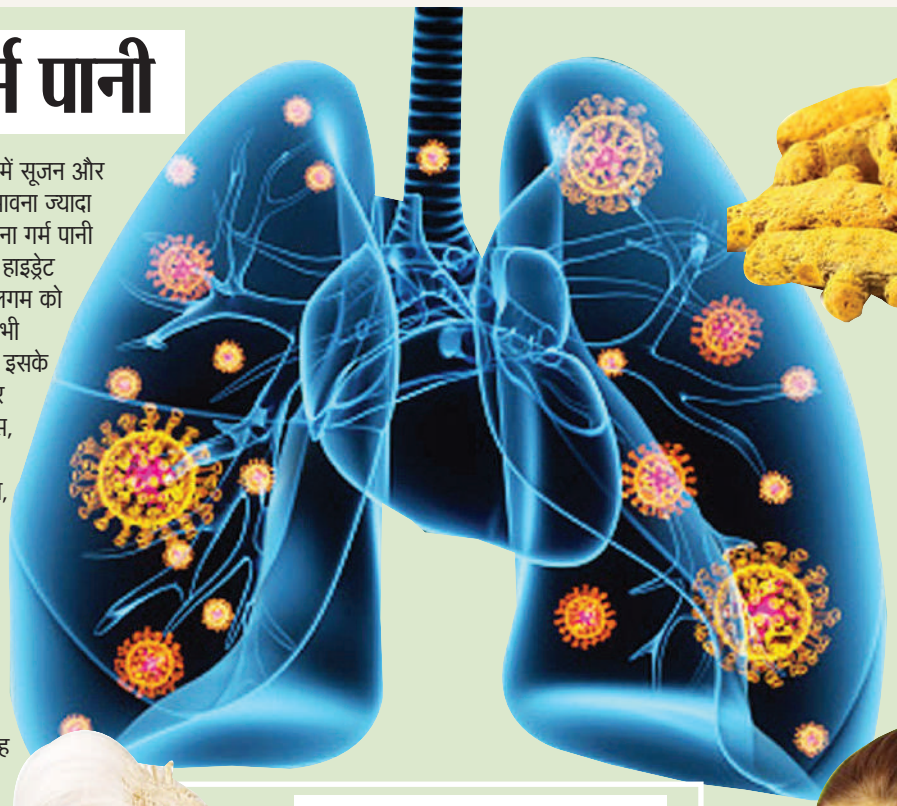

हल्दी

इसमें करक्यूमिन तत्व होता है जिसमें एंटीऑक्सीडेंट और सूजनरोधी प्रभाव होते हैं, जो श्वास नली की सूजन और छाती की जकड़न को दूर करने में मदद करते हैं। यह फेफड़ों के कामकाज में सुधार कर सांस से जुड़ी कई तरह की बीमारियों को ठीक करने में मदद करती है।

अखरोट

यह ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होता है, जो फेफड़ों की सूजन को कम करने में मदद करता है। रोजाना मुट्ठी भर अखरोट खाने से सांस की पुरानी समस्याओं से राहत मिल सकती है।

लहसुन

इसमें एलिसिन एंटीबायोटिक यौगिक होता है, जो फेफड़ों में अगर किसी तरह का कोई इंफेक्शन है, जिससे सांस लेने में परेशानी हो तो उसे दूर करता है। लहसुन एक प्राकृतिक तत्व है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण फेफड़ों की सूजन को कम करते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी पीने से गले और छाती में जमा कफ काफी हद तक दूर किया जा सकता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण की वजह से फेफड़ों की सूजन को कम करने में मदद मिलती है।

हंसना मना है

पड़ोसी: भाभीजी भाई साहब नहीं दिख रहे हैं। भाभी: हमारा झगड़ा हो गया है वह गार्डन में हैं। पड़ोसी: मैंने देखा गार्डन में नहीं हैं वो। भाभी: खोदकर देखा। पड़ोसी बेहोश

रमेश: तुम्हारी आंख क्यों सूजी हुई हैं? सुरेश: कल मैं अपनी पत्नी के जन्मदिन पर केक लेकर आया था रमेश: लेकिन इसका आंख सूजने से क्या संबंध है? सुरेश: मेरी पत्नी का नाम है तपस्या है और केक वाले बेवकूफ दुकानदार ने लिख दिया हैप्पी बर्थडे समस्या।

पति (फोन पर पत्नी से): तुम बहुत प्यारी हो। पत्नी: थैंक्स। पति: तुम बिल्कुल राजकुमारी जैसी हो। पत्नी: थैंक्यू सो मच। और बताओ क्या कर रहे हो। पति: खाली बैठा था, सोचा मजाक ही कर लूं।

पत्नी: घर की सारी बेकार चीजें निकाल दो। पति: फिर तू कहां रहेगी पगली?

टीचर: तुम पंछी के बारे में सब जानते हो? स्टूडेंट: हां। टीचर: अच्छा ये बताओ कौन सा पंछी उड़ नहीं सकता? स्टूडेंट: मरा हुआ पंछी दे थप्पड़। दे थप्पड़।

खूबसूरत लड़की के मुंह में थर्मामीटर रख देहाती डॉक्टर बोला। डॉक्टर: कुछ देर तक चुपचाप रहना है... यह देख लड़की का प्रेमी बोला... यह कितने की चीज है।

कहानी — रिश्वत का खेल

कृष्णदेव राय कला प्रेमी थे। इसीलिए कलाकारों का प्रोत्साहन बढ़ाने के लिए उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित करते रहते थे। कलाकारों को सम्मानित करने से पहले वे एक बार तेनालीराम से जरूर पूछते थे। महाराज की ये बात तेनालीराम के विरोधियों को बहुत खलती थी। तेनालीराम कुछ दिनों से राजदरबार में नहीं आ रहा था, जिसका फायदा उठाते हुए उसके विरोधियों ने महाराज के कान भरने शुरू कर दिए। उनमें से एक विरोधी महाराज से बोला, महाराज तेनालीराम रिश्वतखोर है। दूसरा बोला, महाराज वह जिसको जितना बड़ा पुरस्कार दिलवाता है उससे उतनी ही बड़ी रिश्वत लेता है। अब रोज दरबार में महाराज को ये ही सब सुनने को मिलता, जिससे महाराज को भी तेनालीराम पर शक होने लगा। जब कुछ दिनों बाद तेनालीराम ने राजदरबार में आना शुरू कर दिया तो महाराज ने उससे कुछ कहा तो नही लेकिन अब उससे कुछ भी पूछना उन्होंने बंद कर दिया। अब तेनालीराम को भी लगने लगा की उसके पीछे जरुर कुछ बात हुई है जिसकी वजह से महाराज ने मुझे पूछना बिल्कुल बंद कर दिया है। एक बार दरबार में बहुत सारे कलाकार आए हुए थे। उनमें से तेनालीराम ने एक को छोड़कर सब को पुरस्कार देने को कहा लेकिन महाराज ने उसका बिलकुल उल्टा किया। उन्होंने सारे कलाकारों को खाली हाथ ही भेज दिया और उस एक को ढेरों इनाम देकर विदा किया। महाराज का ये रवैया देखकर तेनालीराम अपने आप को अपमानित महसूस कर रहा था। वही तेनालीराम के विरोधी ये सब देखकर बहुत खुश थे। एक बार दरबार में एक गायक आया। उसने अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए महाराज की आज्ञा मांगी। महाराज ने अगले दिन उसे संगीतशाला में आकर अपनी कला का प्रदर्शन करने का आदेश दिया। अगले दिन उस गायक का प्रदर्शन देखने के लिए संगीतशाला में काफी भीड़ जमा हो गई थी। महाराज के आते ही उसने गायन शुरू किया तो चारों ओर वाह -वाह होने लगी। गायन समाप्त होते ही तेनालीराम बोला, तुमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। मैंने तुम्हारे जैसा कलाकार आज तक नही देखा। तुम्हारे प्रदर्शन के लिए तुम्हें कम से कम पंद्रह हजार मुद्राएं मिलनी चाहिए। महाराज तेनालीराम की ओर देखते हुए बोले, सच में तुम्हारा प्रदर्शन तो काबिले तारीफ था लेकिन तुम्हें देने के लिए हमारे पास इतना धन ही नहीं की हम तुम्हें दे सके। बेचारा गायक निराश होकर अपना सामान बटोरने लगा कि तभी तेनालीराम ने एक पोटली लाकर उसे थमा दी। तभी राजपुरोहित बोला, ये तो महाराज का अपमान हो रहा है जब आपने उस कलाकार को कुछ नहीं दिया तो तेनालीराम को देने की क्या जरुरत थी। यह सुनते ही महाराज गुस्से से लाल- पीले हो गए। उन्होंने सैनिकों को तेनालीराम और गायक को पकड़कर अपने पास लाने का आदेश दिया। सैनिक गायक और तेनालीराम को पकड़कर महाराज के पास ले आए। महाराज ने एक सेवक से उस पोटली को छिनकर उसे खोलने का आदेश दिया। जैसे ही सेवक ने पोटली खोली तो उसमे मिटटी का खाली बर्तन था, जिसे देखकर वहां उपस्थित सभी लोग अचंभित थे। महाराज ने तेनालीराम से पूछा, तुमने ये खाली बर्तन क्यूं दिया है? तेनालीराम बोला, महाराज यह गायक बहुत दूर से आपके पास आया था। मैंने सोचा पुरस्कार न सही कम से कम इस खाली बर्तन में वाहवाही भर कर ले जाएगा। इसीलिए मैंने ये खाली बर्तन इसे दे दिया। तेनालीराम का जवाब सुनते ही महाराज का गुस्सा फुर्र हो गया और उन्होंने उस गायक को पंद्रह हजार स्वर्ण मुद्राएं इनाम के रूप में दे दी। इस प्रकार तेनालीराम ने अपने बुद्धि बल से अपने विरोधियों की चाल पर पानी फेर दिया।

8 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज की अवधि मिश्रित प्रभाव प्रदान करती है। प्रगति और सम्मान पाने के लिए आज का दिन अच्छा है। आज आप धर्मी और आदर्शवाद बनेंगे। संघर्षों के मामले में विजयी बनेंगे।

वृषभ — आज आपको हर किसी का सहयोग मिलेगा। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों के लिए जॉब के अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे हैं। संतान पक्ष के साथ आपके संबध बेहतर रहेंगे।

मिथुन — आज आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। दूसरों को यह बताने के लिए ज्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं।

कर्क — आप अपने मन की बात अपने परिवार के सदस्य से कह सकते हैं। इस बार आप अपने समझदारी से सफलता प्राप्त कर पाएंगी। बिना वजह की चीजों को ज्यादा छेड़-छाड़ न करें।

सिंह — आज आप परिवार वालों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के जो लोग सी ए, यानी चार्टेड अकाउंटेंट हैं, उन्हें तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे। आपको किसी बड़े बुजुर्ग की मदद मिलेगी।

कन्या — आज चाहे कितनी भी मजबूरी हो फिर भी किसी तरह का नकारात्मक निर्णय ना लें। परिवार को समय देना बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे, नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला — आज आप भावनात्मक रूप से परेशान चल रहे हैं। परिवार में झगड़े बढ़ सकते हैं। परिवार में विवाद हो सकता है। इस संबंध में आपको अच्छे कदम उठाना चाहिए। आपके माता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृश्चिक — आज परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस राशि के बुक सेलर के लिए आज का दिन लाभ दिलाने वाला है। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने काम में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए।

धनु — आज सेहत से संबंधित परेशानी बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय सुखमय व्यतीत होगा। यदि कोई समस्या है, तो उसे शांति से बातचीत करके सुलझाएं।

मकर — आपकी गलत जानकारी आपके रिश्ते को खराब कर सकती है। काम पर अनुशासित रहने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। आप मानसिक शांति के लिए अपना सकारात्मक रवैया अपनाएं।

कुम्भ — आज आपकी किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होने की संभावना है। उनके साथ आप कहीं घूमने भी जा सकते हैं। पिता के सहयोग से आपका कोई जरूरी काम पूरा हो जायेगा।

मीन — आज आपके ऊपर जिम्मेदारियां बढ़ेगी। लेकिन आप उनको पूरा करने में कामयाब हो पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे और टाइगर के बीच सब ठीक हो जाएगा : दिशा पाटनी

दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ के ब्रेकअप की अफवाहें सोशल मीडिया पर छाई हुई थीं। इन अफवाहों के बीच दिशा पाटनी ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। दिशा ने ब्रेंट मॉर्गन के सॉन्ग के लिरिक्स पोस्ट में शेयर किए हैं। एक्ट्रेस ने लिखा सब ठीक हो जाएगा। दिशा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि अगर किसी ने आपको कभी नहीं बताया, सब ठीक हो जाएगा। (इफ नो वन एवर टोल्ड यू, इट्स ऑल गौना बी ओके)। बता दें, पिछले कुछ समय से रूमर्ड कपल दिशा और टाइगर ब्रेकअप की अफवाहों की वजह से सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस पर दोनों में से किसी का रिएक्शन सामने नहीं आया है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक कि टाइगर और दिशा के ब्रेकअप की खबरें बिना सिर पैर की हैं। दिशा अभी भी लगभग हर रोज टाइगर के घर जाती हैं। एक्ट्रेस अपना ज्यादातर वक्त टाइगर और उनकी फैमिली के साथ बिताती हैं। जिस दिन काम नहीं होता, उस दिन दिशा अपना पूरा दिन एक्टर के यहां ही स्पेंड करती हैं। टाइगर और दिशा की टीम ने कहा था कि यह ब्रेकअप स्टोरीज कपल के तरफ से तो बिलकुल नहीं है। दिशा पाटनी आखिरी बार एक विलेन रिटर्नस में नजर आई थीं। इस फिल्म में दिशा के अलावा जॉन अब्राहम, अर्जुन कपूर, दिशा पाटनी और तारा सुतारिया भी लीड रोल में हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन मोहित सूरी ने किया है। दिशा इसके पहले मलंग में भी मोहित के साथ काम कर चुकी हैं। बता दें कि दिशा सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ योद्धा फिल्म में नजर आएंगी। इसी बीच उनकी और आदित्य रॉय कपूर की फिल्म मलंग के सीक्वेंस की भी अनाउंसमेंट हो चुकी है।

लाल सिंह चड्ढा के सपोर्ट में आईं एकता कपूर

लाल सिंह चड्ढा के बॉक्स ऑफिस पर ना चलने और सोशल मीडिया पर बायकॉट करने के ट्रेंड पर बॉलीवुड प्रोड्यूसर और टीवी क्वीन एकता कपूर का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने अपने बयान में आमिर को सॉफ्ट एम्बेसडर बताया है। दरअसल आमिर की फिल्म को लेकर रिलीज के पहले से ही सोशल मीडिया पर विरोध झेलना पड़ा था। इसका असर फिल्म के बिजनेस में पड़ा, लाल सिंह चड्ढा ने 5 दिन में मात्र 45 करोड़ रुपए की ही कमाई कर पाई है। यह आमिर की सुपरफ्लॉप ठग्स ऑफ हिंदुस्तान के पहले दिन के बिजनेस को भी नहीं छू पाई है। एकता ने कहा- यह बहुत हैरान कर देने वाली बात है कि हम उन स्टार्स की फिल्मों को बायकॉट कर रहे हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री को अच्छा बिजनेस दिया है। इंडस्ट्री के सारे खान्स लीजेंड हैं, खासकर आमिर खान। हम उन्हें बायकॉट नहीं कर सकते। आमिर इंडस्ट्री के सॉफ्ट एम्बेसडर हैं, उन्हें हम बिल्कुल भी बायकॉट नहीं कर सकते हैं। बॉलीवुड की रिपोर्ट्स के मुताबिक 180 करोड़ के बजट में बनी लाल सिंह चड्ढा ने पांचवे दिन यानी सोमवार को 7.87 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। इससे पहले फिल्म ने चौथे दिन यानी रविवार को 10.5 करोड़ रुपए तीसरे दिन (शनिवार) 8.75 करोड़, दूसरे दिन (शुक्रवार) 7.26 करोड़ और पहले दिन (गुरुवार) 11.7 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इस हिसाब से फिल्म ने फर्स्ट वीकेंड यानी चार दिन में इंडिया से अब तक 45.83 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है। लाल सिंह चड्ढा बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म नहीं कर पाई है। इस फिल्म को रिलीज पर 3000 स्क्रीन्स मिली थीं। लेकिन, बॉक्स ऑफिस पर खराब प्रदर्शन के बाद फिल्म के कई शोज कैंसिल कर दिए गए। वहीं बहुत कम संख्या में दर्शक इस फिल्म को देखने पहुंच रहे हैं। ऐसे में यह फिल्म फ्लॉप होती नजर आ रही है।

बॉलीवुड | मसाला

एक्ट्रेस कनिष्का सोनी ने खुद संग रचाई शादी

सोलोगैमी यानी खुद से शादी करने का कॉन्सेप्ट दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहा है। अब हाल ही में दिया और बाती हम फेम कनिष्का सोनी ने खुद से शादी की है, जिसके बाद से सोलोगैमी फिर से सुर्खियों में है। इसके पहले गुजरात की क्षमा बिंदु ने खुद से शादी की थी। कनिष्का ने इस बात की जानकारी 16 अगस्त को सोशल मीडिया के जरिए दी है। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सिंदूर और मंगलसूत्र पहने हुए पोस्ट शेयर की है। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा कि खुद से शादी कर ली है। क्योंकि मैं अपने दम पर अपने सपने पूरे करती हूं, जिससे मैं प्यार करती हूं, वो इंसान मैं खुद हूं। उन सभी का सवालों के जवाब, जो मुझसे पूछे जा रहे हैं, मुझे कभी भी किसी आदमी की जरूरत नहीं है। कनिष्का ने आगे लिखा मैं हमेशा अकेली खुश हूं और अपने गिटार के साथ पीसफुल लाइफ जी रही हूं। मैं एक देवी हूं, मजबूत और शक्तिशाली हूं, शिव और पार्वती दोनों मेरे अंदर हैं। बता दें कि कनिष्का ने अपने जन्मदिन पर इस खबर को फैंस के साथ शेयर किया है। कनिष्का का करियर काफी अच्छा चल रहा था, लेकिन इसी बीच उन्होंने टीवी जगत छोड़ने का फैसला लिया, जिसके पीछे का कारण एक्ट्रेस ने हॉलीवुड करियर को बताया था। मीडिया को दिया पुराने इंटरव्यू में कनिष्का ने बताया था, कि वो अब अपनी एक्टिंग को एक लेवल ऊपर लेकर जाना चाहती हैं, इसलिए वो हॉलीवुड पर फोकस करना चाहती है।

अजब-गजब | जानिए क्या है इसका रहस्य

यहां है दुनिया की सबसे रहस्यमयी चट्टान, जो तीन दशक में देती है अंडा

पूरी दुनिया में अनगिनत रहस्य छिपे हुए हैं, जिनके बारे में इंसान आज तक नहीं जान पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे है। जो चीन की एक पहाड़ी से जुड़ा हुआ है। दरअसल, चीन में एक रहस्यमयी चट्टान है, जिसके बारे में कहा जाता है ये चट्टान 30 साल में एक अंडा देती है। ये जानकर यकीनन आप भी हैरान रह जाएंगे। वैज्ञानिकों का कहना है कि वह इसका पता लगाएंगे कि ऐसा क्यों हो रहा है। चीन के लोग इस पत्थर वाले अंडे को पाने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं।

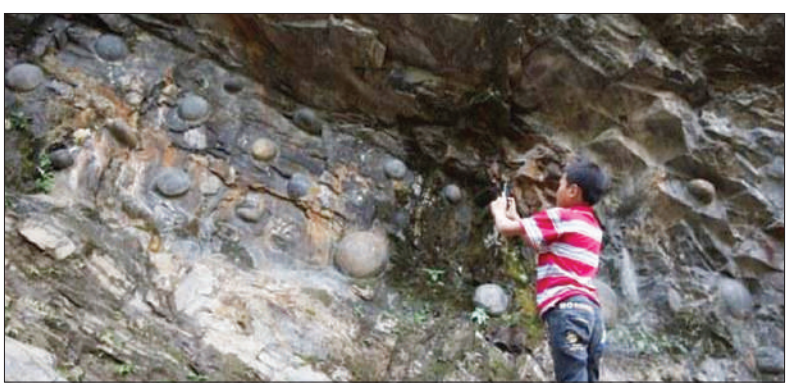

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि अंडे को अपने अंदर रखकर रहस्यमयी चट्टान 30 साल तक सेती है और फिर अंडा इससे अलग हो जाता है। यह चट्टान 19 फीट ऊंची चौड़ी और 65 फीट लंबी है। इस रहस्यमयी घटना को देखने के लिए पूरे चीन से लोग यहां आते हैं। लोग कोशिश करते हैं कि उनको ही अंडा मिले। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुलू गांव के पास रहने वाले लोगों ने बताया है कि बुजुर्गों ने उनको इस बात की जानकारी दी थी। इस अंडे को साथ ले जाने वाले लोग अपने आप को भाग्यवान मानते हैं। यहां करीब 70 ऐसे अंडे हैं जिनको संरक्षित किया गया है। बाकी अंडों को लोगों ने चुरा लिया या कहीं बेच दिया। चीन में स्थित यह रहस्यमयी टीला चन दन या के नाम से जाना जाता है जिसका रंग काला है। इस चट्टान के अंदर अंडे चिकने होते हैं जो सतह से धीरे-धीरे बाहर आते हैं और 30 साल बाद अपने आप अलग हो जाते हैं। यही नहीं ये बिल्कुल प्राकृतिक प्रसव प्रक्रिया की तरह है। चीन के लोगों का मानना है कि यह अंडा सौभाग्य का प्रतीक है जिसे पाने के लिए हर साल यहां लोग आते हैं। लोग सिर्फ इसे देखकर चले जाते हैं, क्योंकि जिसकी किस्मत में होता है उसी को यह अंडा मिलता है। कोई वहां पर हो और अंडा टूटकर गिरे और उसे पा जाए। बता दें कि इस चट्टान से निकलने वाले अंडों के रहस्यों को झुलझाने की वैज्ञानिक सालों से कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अभी तक पूरी कामयाबी नहीं मिली। उनका कहना है कि चट्टान करोड़ों साल पुरानी है। उनका कहना है कि मौसम की मार झलेनी वाली इस चट्टान की खासियत यह है कि चट्टान के अंडे देने की प्रवृति में कोई बदलाव नहीं आया। इस चट्टान के आसपास के गांव वालों ने अपनी आंखों से इस अंडे को पनपते और नीच गिरते हुए देखा है।

19 मंजिला अपार्टमेंट से होकर गुजरती है ट्रेन कमरे से निकलकर सवार हो जाते हैं यात्री

दुनिया में अगर कुदरत के तमाम चमत्कार मौजूद हैं, तो इंसानों ने भी इंजीनियरिंग के जरिये ऐसे -ऐसे नमूने तैयार किए हैं, जिन्हें देखकर आंखों को यकीन ही नहीं होता। आपने अब तक कभी भी ट्रेन को घर के सामने की सड़क पर चलते हुए नहीं देखा होगा। यहां तक कि रेल की पटरियों को रिहायशी इलाकों से थोड़ी दूरी पर बनाया जाता है। मेट्रो की लाइनें भी ऊपर या जमीन के नीचे होती हैं। हालांकि एक ट्रेन ऐसी भी बनाई जा चुकी है, जो 19 मंजिला रिहायशी बिल्डिंग के बीच से होकर गुजरती है। इस वक्त एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें रिहायशी बिल्डिंग के अंदर से ट्रेन गुजर रही है। ये वीडियो कोई ग्राफिक्स या भ्रमित करने वाली तस्वीर नहीं बल्कि सौ फीसदी सच है। चीन में चलने वाली एक ट्रेन रिहायशी बिल्डिंग के अंदर से होकर गुजरती है। ये कोई आज नहीं बनाई गई है, बल्कि सालों से ट्रेनन का यूं ही आना-जाना चल रहा है और इससे लोगों को कोई भी परेशानी नहीं हो रही है। वायरल हो रहा वीडियो दक्षिण पूर्वी चीन के माउंटेन सिटी चंक्रिंग की आबादी करोड़ों में है। मल्टीस्टोरी अपार्टमेंट वाली बिल्डिंगों वाले इस शहर में जगह की इतनी कमी है कि मोनो ट्रेन चलाने के लिए भी जगह नहीं है। जब यहां रेलवे ट्रैक बनाया जाने लगा तो रास्ते में एक 19 मंजिला बिल्डिंग आ गई। कोई और देश होता तो शायद बिल्डिंग को हटाया जाता, लेकिन चीन के इंजीनियर्स ने कुछ अलग ही कर दिया। उन्होंने 19 मंजिला बिल्डिंग के छठें और आठवें फ्लोर को चीरते हुए सीधा ट्रेन रूट बना दिया। आज ये ट्रेन अपनी इसी खूबी की वजह से दुनिया भर में मशहूर हो चुकी है। चीन में माउंट सिटी के तौर पर मशहूर इस जगह पर 3 करोड़ से भी ज्यादा लोग रहते हैं, जिनके लिए ये ट्रेन सबसे ज्यादा सुविधाजनक है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर इस अनोखी ट्रेन के वीडियो को @wowinteresting8 नाम की आईडी से शेयर किया गया है। इस वीडियो को लाखों लोगों ने पसंद किया है और इस पर आश्चर्य जताया है। फ्लोर्स को इस तरह काटा गया कि ट्रेन के गुजरने से किसी को कोई परेशानी नहीं होती, जबकि इस बिल्डिंग के लोगों के लिए अपना स्टेशन भी है, जहां से वे सीधा ट्रेन तक पहुंच जाते हैं। साइलेंसिंग तकनीक के जरिए ट्रेन का शोर भी इतना कम कर दिया है कि ये किसी डिशवॉशर जितनी ही आवाज करती है।

यूपी में होगा बिहार जैसा बदलाव भाजपा को लगेगा झटका : अखिलेश

» इलेक्शन कमीशन की बेईमानी से हारे विधान सभा चुनाव

» संस्थाओं पर दबाव डालकर अपनी मनमर्जी के काम करा रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार में हुए राजनीतिक बदलाव को सकारात्मक संकेत बताते हुए उम्मीद जताई कि 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एक मजबूत विकल्प तैयार होगा। उन्होंने दावा किया कि यूपी में भी बिहार की तरह बदलाव होगा। भाजपा को झटका लगेगा। यहां भी भाजपा के सहयोगी दल उससे खुश नहीं हैं और भविष्य में वे इस सत्तारूढ पार्टी से नाता तोड़ लेंगे।

उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा से नाता तोड़कर राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस तथा कई अन्य दलों के साथ मिलकर महागठबंधन की सरकार बनाना एक सकारात्मक संकेत है। वर्ष 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा का विकल्प तैयार करने में सपा की भूमिका के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार विकल्प तैयार करने में लगे हुए हैं। सपा प्रमुख ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग की बेईमानी के कारण ही सपा विधान सभा चुनाव और रामपुर व आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव हारी है। देश में अब कोई भी निष्पक्ष संस्था बाकी नहीं रह गई है। सरकार दबाव डालकर इन संस्थाओं से मनमाफिक काम करा रही है अगर आयोग ने ईमानदारी से काम किया होता तो नतीजे कुछ और ही होते। उनकी पार्टी ने राज्य का पिछला विधान सभा चुनाव लोकतंत्र बचाने की अपील के साथ लड़ा था मगर नतीजा सबके सामने है। चुनाव आयोग ने बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए। रामपुर लोक सभा उपचुनाव में सपा कार्यकर्ताओं को वोट नहीं डालने दिया गया जबकि आजमगढ़ में सपा कार्यकर्ताओं को रेड कार्ड जारी किए गए। क्या चुनाव आयोग सो रहा था? उसने हमारी शिकायतों पर ध्यान ही नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोरोना टीके की दूसरी डोज से जुड़े आंकड़े फर्जी हैं। अस्पतालों में दवाएं और डॉक्टर नहीं हैं। लोगों को इलाज नहीं मिल पा रहा है। राज्य के चिकित्सा विश्वविद्यालय में दलाल घूम रहे हैं, मंत्री और अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने पर है। इसी साल सपा का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाएगा।

विंध्याचल गोलीकांड

बिहार का पूर्व विधायक सुनील पांडेय गिरफ्तार

» आरोपियों को शरण देने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मिर्जापुर। विंध्याचल की अष्टभुजा पहाड़ियों पर हुए गोलीकांड में बिहार के पूर्व बाहुबली विधायक नरेंद्र उर्फ सुनील पांडेय को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। उनके ऊपर साजिश रचने और आरोपियों को शरण देने का आरोप है। इस मामले में छह आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है लेकिन असलहे की बरामदगी नहीं हो सकी है।

विंध्याचल क्षेत्र में 14 अगस्त को अष्टभुजा पहाड़ी पर दर्शन-पूजन के लिए रोहतास (बिहार) से कुछ लोग आए थे। दर्शन-पूजन के बाद वे लोग सीताकुंड के पास भोजन बना रहे थे। इसी दौरान किसी बात पर बिहार से ही पहुंचे अन्य लोगों से विवाद हो गया। एक पक्ष ने गोली चला दी। गोली रोहतास निवासी 60 वर्षीय कन्हैया प्रसाद के पेट में लगी। वह बुरी तरह घायल हो गए और बीएचयू में दम तोड़ दिया। घटना के बाद छह आरोपियों को चार पहिया वाहन से भागते समय चील्ह क्षेत्र के प्रजापतिपुर गांव के पास गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी संतोष कुमार मिश्र ने विंध्याचल कोतवाल विनीत राय को अष्टभुजा गोलीकांड में शामिल अन्य आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। गोलीकांड के आरोपियों को शरण देने व साजिश रचने वाले पूर्व बाहुबली विधायक नरेंद्र उर्फ सुनील पांडेय विंध्याचल से गिरफ्तार किया गया।

रचनात्मकता देखकर मंत्रमुग्ध हुए कलाप्रेमी

कला स्रोत आर्ट गैलरी में टाइपा की राष्ट्रीय फोटो प्रदर्शनी आयोजित

» करीब 90 फोटोजर्नलिस्ट व फोटोग्राफरों की तस्वीरों का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के अलीगंज स्थित कला स्रोत आर्ट गैलरी में द यूथ फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन (टाइपा) की छठवीं राष्ट्रीय फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन दृष्टि सामाजिक संस्थान के मानसिक व शारीरिक रूप से कमजोर बच्चों ने किया। इस प्रदर्शनी में कलाप्रेमियों की भीड़ उमड़ी रही।

इस मौके पर टाइपा के अध्यक्ष साहिल सिद्दीकी ने कहा कि इस फोटो प्रदर्शनी का उद्देश्य सभी के उत्कृष्ट कार्यों को दर्शाना व जनता तक पहुंचाना है। इसे हम बीते छः वर्षों से लगातार कर रहे हैं। प्रदर्शनी में करीब 90 फोटोजर्नलिस्ट व फोटोग्राफरों की तस्वीरों को जगह मिली है, जिसे टाइपा के एक पैनल ने चुना है। इस फोटो प्रदर्शनी में कोई भी व्यक्ति अपनी क्लिक की गई फोटो भेजने के लिए स्वतंत्र था। रचनात्मकता के आधार पर फोटो को जगह दी गई है। प्रदर्शनी में पहुंचे एक युवा फोटोजर्नलिस्ट विनय के मुताबिक एक फोटोजर्नलिस्ट होने के नाते मैं यहां से बहुत सारा ज्ञान और विचार लेकर जा रहा हूं। यहां पर एक छत के नीचे अप्रतिम, मनमोहक व रचनात्मकता से लबरेज फोटोज की भरमार है। रचनात्मकता ने कलाप्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर वी. सुनील, आशुतोष त्रिपाठी, सत्येंद्र मेहरोत्रा, महामंत्री शरद शुक्ला, संयुक्त सचिव सुनील रैदास, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता, लेखा मंत्री आशु सिंह, दानिश अतीक, नईम अंसारी, सुमित कुमार, ईशु गुज्जर, उत्कर्ष कुमार, अभिनव शर्मा, शाश्वत मिश्रा सहित तमाम छायाकार व पत्रकार उपस्थित रहे।

फोटो:4 पीएम

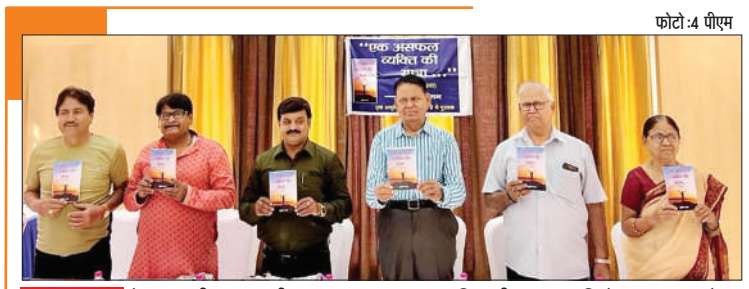

विमोचन लेखक सुशील रमन की पुस्तक एक असफल व्यक्ति की यात्रा का विमोचन लखनऊ में संपन्न हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि व समाजसेवी अश्वनी जायसवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि सुशील रमन कठिन परिश्रम एवं निरंतर प्रयासरत रहते हैं। युवाओं को इनसे प्रेरणा मिलेगी। इस मौके पर अमित श्रीवास्तव, प्रेम चंद श्रीवास्तव, सुषमा श्रीवास्तव, अविनेश,आकाश आदि मौजूद रहे। मंच का संचालन अदिति श्रीवास्तव ने किया।

अब विवादों में घिरे मंत्री तेजप्रताप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में महागठबंधन वाली नई सरकार को बने 10 दिन भी नहीं हुए हैं लेकिन सरकार का नाता विवादों से जुड़ गया है। अब उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के भाई और महागठबंधन सरकार में पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप यादव विवादों से घिर गए हैं।

तेजप्रताप यादव ने गुरुवार को विभाग के अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक की एक तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। बैठक के दौरान तेजप्रताप यादव के बगल में उनकी बहन मीसा भारती के पति शैलेश कुमार भी नजर आए जबकि शैलेश न कोई अधिकारी हैं और न उनका सरकार से कोई नाता है। इस भाजपा प्रवक्ता निखिल आनंद ने तंज कसते हुए कहा है कि मंत्री तेजप्रताप यादव को कोई हल्के में न ले। शैलेश कुमार राजद के सभी मंत्रियों से समझदार हैं, उनका आशीर्वाद रहा तो तेजप्रताप यादव सबसे अच्छे मंत्री साबित होंगे। वहीं तस्वीर वायरल होने के बाद राजद प्रवक्ता शशि यादव ने सफाई दी।

संसदीय बोर्ड से गडकरी को हटाना अपमान!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संसदीय बोर्ड के नए सदस्यों का ऐलान कर दिया है। पार्टी की इस सबसे ताकतवर बोर्ड से नितिन गडकरी और मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। गडकरी की बीजेपी चुनाव समिति से भी छुट्टी कर दी गई है। ऐसे में सवाल यह है कि गडकरी और शिवराज का पत्ता काटकर क्या योगी को संदेश देने की कोशिश की है मोदी ने? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल, धनंजय कुमार, समीरात्मज मिश्रा, सैयद कासिम, सुशील दुबे और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सुशील दुबे ने कहा, गडकरी और राजनाथ सिंह ने कुछ दिन पहले बयान दिया था। राजनाथ ने कहा था कि नेहरूजी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। गडकरी ने भी कुछ ऐसा ही मिलता जुलता बयान दिया था। महाराष्ट्र में संघ के दुलारे नितिन गडकरी और शिवराज सिंह चौहान को हटाकर उनका अपमान किया गया है। समीरात्मज मिश्रा ने कहा कि बीजेपी में 11 सदस्यों का संसदीय बोर्ड है लेकिन जो बड़े नाम है, उनमें मोदी को राजनाथ, नितिन गडकरी चुनौती दे रहे थे, गडकरी और शिवराज सिंह चौहान हटा दिए गए राजनीति में। सेकेंड लाइन में योगी, गडकरी चुनौती दे रहे थे। अमित शाह भी सेकेंड लाइन में हैं। हटाने का स्पष्ट संदेश है कि नंबर दो की लाइन में अभी आप नहीं है।

धनंजय कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र में स्वाभिमान वाले नेता जो हैं, उनमें नितिन गडकरी का नाम पहले नंबर पर लिया जाता है लेकिन जिस तरह से फडणवीस को उनके सामने बढ़ाया गया, इससे गडकरी आहत हुए। गडकरी ने बयान दिया था कि राजनीति की गद्दी छोड़ देना चाहिए। इसका मतलब यही निकाला गया कि पानी अब गंदा हो गया है। सैयद कासिम ने कहा कि गडकरी को बाहर करना, शिवराज को बाहर करना यानी सीएम थे इसलिए बाहर कर दिया कोई सवाल नहीं उठाएगा लेकिन गडकरी बड़े मंत्री हैं और कामयाब मंत्री है, उनका हटाना मेरे समझ से परे है। ये जो जोड़ी है, हम जो कहेंगे, वहीं होगा। जो चाहेंगे, वहीं होगा। राजेश बादल ने भी परिचर्चा में विचार रखे।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

गोमती नगर में अघोषित बिजली कटौती से जनता में आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में उमस बढ़ने के साथ ही बिजली व्यवस्था भी पटरी से उतरती जा रही है। गोमतीनगर के विकास खंड में शुक्रवार सुबह सात बजे से बिजली गायब है। दोपहर के साढ़े तीन बजे बाद भी बिजली सुचारू नहीं हो सकी है। विकास खंड में अघोषित बिजली कटौती से बिजली विभाग के खिलाफ जनता में आक्रोश हैं। बिजली कटौती का कारण भी नहीं बता रहे हैं। विभाग के अधिकारी कटौती कब तक का जवाब बताने में पूरी तरह असमर्थ है। विकास खंड 5 में रहने वाली निधि बताती हैं कि सुबह से बिजली गायब है। सब लोग परेशान हैं। जबकि ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का बयान अखबार में पढ़ा था कि यूपी में त्योहारों और धार्मिक कार्यों के दौरान बिजली नहीं कटेगी। राजधानी लखनऊ में जन्माष्टमी पर्व भी बिजली काट दी गई तो बाकी पूरे प्रदेश का क्या हाल होगा, यह समझ से परे हैं।

बिजली विभाग के अधिकारी कटौती कब तक का जवाब बताने में असमर्थ

विकास खंड में ही रहने वाले सोनू शर्मा ने बताया कि एक तरफ जहां उमस से लोग परेशान हैं। वहीं दूसरी तरफ अघोषित बिजली कटौती का आलम यह है कि लोग अब त्राहिमाम करने लगे हैं। कई घंटों की अघोषित कटौती लोगों के लिए मुश्किल का सबब बनी हुई है। बिजली की अघोषित कटौती से घरवाले परेशान हैं, मगर विभाग के लोग सुनने को तैयार नहीं है। 24 घंटे बिजली आपूर्ति का वादा करने वाली सरकार धरा का धरा ही रह जा रहा है। बिजली कटौती का असर व्यवसाय पर भी पड़ने लगा है। बिजली कटौती के चलते कुछ जगह जनरेटर व इनवर्टर चलाना पड़ा। कई घरों के इनवर्टर बोल गए। कई दफ्तरों में बिजली कटौती के चलते काम बाधित है। अचानक बिजली आपूर्ति प्रभावित होने से लोग काफी परेशान हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक जब बिजली विभाग में फोन किया जाता है तो फाल्ट की बात कहकर फोन काट देते हैं। ऐसे में अब आम आदमी बादल की तरफ टकटकी निगाहों देख रहा है कि काश पानी बरस जाए और गर्मी व उमस से थोड़ी राहत मिल जाए।

अंबेडकरनगर व अयोध्या दौरे पर स्वतंत्र देव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। उत्तर प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह आज अयोध्या व अंबेडकर नगर दौरे पर हैं। स्वतंत्र देव अभी अयोध्या में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। उनसे क्षेत्रों का फीडबैक ले रहे हैं।

दरअसल, जन्माष्टमी पर सुबह दस बजे के करीब स्वतंत्र देव सिंह मसौधा स्थित एक गोशाला में पहुंचे। गोशाला को बहुत अच्छी तरीके से सजाया गया था। यहां गोपूजा करने के बाद वह अयोध्या धाम स्थित हनुमानगढ़ी पहुंचे। दर्शन पूजन करने के बाद हनुमत निवास के महंत मिथिलेश नंदनी शरण से मुलाकात कर उनका हाल जाना। इसके बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अंबेडकरनगर के लिए रवाना हो गए। इस दौरान अयोध्या महापौर ऋ षिकेश उपाध्याय, महानगर महामंत्री परमानंद मिश्र व पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल व अन्य उपस्थित रहे।

झांसी में खुले में बिक रहा डीजल-पेट्रोल, कार्रवाई नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। जिले के शहर, गांव और कस्बों के कई बाजारों में खुले में पेट्रोल और डीजल की बिक्री हो रही है। स्थिति यह है कि जिले के कई गांवों और कस्बों में खुले में पेट्रोल-डीजल की अवैध रूप से बिक्री बेरोकटोक हो रही है, लेकिन अफसरों ने अभी तक कार्यवाही तो दूर इस ओर ध्यान भी नहीं दिया है।

विस्फोटकों के अवैध क्रय-विक्रय और भंडारण के लिए शासन द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय किए जाने के बाद भी जिले में पेट्रोल-डीजल के अवैध कारोबारियों में कोई डर नहीं हैं। स्थिति यह है कि जिले में न केवल आम सड़कों पर खुले में पेट्रोल डीजल बिक रहा है, बल्कि शहर से निकले हाईवे और शहर के बाजारों समेत गांव, कस्बों में भी सड़क पर ही पेट्रोल-डीजल की केन रखकर अबैध बिक्री हो रही है। विशेष बात यह है कि भीड़-भाड़ वाले इलाकों में इससे हादसे की आशंका बनी हुई है। जहां एक ओर शहर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल 96 रुपये 48 पैसे लीटर में मिलता है, लेकिन खुले में बेचने वाले लोग वाहन चालकों को 120 से 140 रुपये लीटर तक में पेट्रोल विक्रय करते हैं। झांसी के जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा जल्द ही खुले में पेट्रोल-डीजल की बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करेंगे।

नशे के रूप में इस्तेमाल नहीं हो सकेंगी दवाएं!

एफएसडीए के नए आदेशों के मुताबिक अब हर एक दवा का होगा लेखा-जोखा, सीमित स्टॉक की होगी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुत सी ऐसी दवाइयां है, जिनका इस्तेमाल धड़ल्ले से नशे के तौर पर किया जा रहा है। कई ऐसे टेबलेट और खांसी के सिरप है, जिनका इस्तेमाल बच्चे तक नशे के तौर पर कर रहे हैं जबकि इसको लेकर पहले से ही तमाम तरीके की पाबंदियां है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने ऐसी कई दवाओं के भंडारण, खरीद व बिक्री की अधिकतम सीमा तय कर दी है।

खांसी दूर करने के लिए कोडीन से बने कफ सिरप की एक दिन में एक ही शीशी खरीदी जा सकेगी। वहीं अनिद्रा व डिप्रेशन की दवाओं के भी भंडारण की क्षमता तय की गई है। विभाग ने निर्देशों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। औषधि अनुज्ञापन एवं नियंत्रण अधिकारी एके जैन के अनुसार कुछ औषधि विक्रेता नशे के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं का ज्यादा भंडारण करने के साथ अवैध बिक्री कर रहे हैं। जबकि मरीजों के लिए वास्तविक खपत काफी कम है।

इसलिए ये प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार कोडीन खांसी से राहत देने वाली दवाओं में पाया जाने वाला घटक है। डॉक्टर की सलाह पर ही इसे तय मात्रा में लेना चाहिए। कई लोग इसका प्रयोग नशे में कर रहे हैं। अब थोक विक्रेता 50, 100 एमएल या किसी अन्य मात्रा की एक दिन में 100 से अधिक शीशी सिरप नहीं बेच सकेंगे। वहीं फुटकर विक्रेता एक व्यक्ति को एक से अधिक शीशी नहीं बेच सकेंगे।

कुछ दवाओं पर लगाई गई पाबंदियां

फुटकर विक्रेता दर्द व बुखार की दवाओं में इस्तेमाल की जाने वाली ट्रामाडोल के दो हजार कैप्सूल ही रख सकेगा। थोक विक्रेता प्रतिदिन 200 कैप्सूल ही किसी फर्म को बेच सकेगा। फुटकर विक्रेता अल्प्राजोलम के एक हजार, क्लोनाजेपाम के दो हजार, डायजापाम व नाइट्राजेपाम के दो-दो सौ और पेंटाजोसिन व बुप्रेनॉरफिन के 50-50 कैप्सूल के ही भंडारण की अनुमति होगी। हालांकि उक्त आदेश सरकारी संस्थानों, कैंसर अस्पताल व मानसिक अस्पताल पर लागू नहीं होंगे। यदि कोई औषधि विक्रेता तय मात्रा से ज्यादा भंडारण व बिलिंग करना चाहता है तो उसे बीते दो वर्ष का खरीद, बिक्री का लेखा जोखा औचित्य बताने के साथ देना होगा।

जनता अदालत में 25 लोगों की हल हुई समस्याएं

- एलडीए उपाध्यक्ष ने सुनीं समस्याएं और किया निस्तारण
- शिकायतों के निस्तारण के लिए ओएसडी की लगायी ड्यूटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी द्वारा जनसामान्य एवं आवंटियों की समस्याओं एवं उनके कार्यों को त्वरित गति से शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किए जाने हेतु दिए गए निर्देशों के क्रम में प्राधिकरण भवन के भूतल स्थित कमेटी हाल में सुबह दस बजे से प्राधिकरण दिवस/जनता अदालत का आयोजन किया गया। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा ने बताया कि उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी व सचिव पवन कुमार गंगवार द्वारा जनता अदालत में स्वयं उपस्थित होकर जन सामान्य की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना गया।

इस दौरान रजिस्ट्री, सीमांकन, कब्जे व एनओसी आदि से सम्बंधित कुल 49 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 25 प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं, शेष प्रकरणों के निस्तारण के सम्बंध में उपाध्यक्ष महोदय द्वारा समय सीमा निर्धारित करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है। इस मौके पर विशेष कार्याधिकारी अमित राठौर, अरुण कुमार सिंह, रामशंकर, नजूल अधिकारी अरविंद त्रिपाठी व तहसीलदार विवेक शुक्ला समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। उधर बता दें कि दो दिन पहले शासन ने लखनऊ विकास प्राधिकरण का नाम बदलने का फैसला किया है। इसके अलावा लखनऊ विकास प्राधिकरण का सीमा विस्तार भी किया जाएगा। सीमा विस्तार के बाद नाम बदलकर लखनऊ महानगर विकास प्राधिकरण होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।